तापमान
अधिकतम 31.9 डिग्री
न्यूनतम 26.7 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, मंगलवार, 12 अगस्त 2025

11 वीर सैनिक हमारे राष्ट्र का गौरव : डॉ. अरविन्द शर्मा

12 लिखित गारंटी ना मिली तो सोनीपत व पंचकूला में सीवर व पानी सप्लाई होगी ठप

अज्ञात कारणों से मरे दो पशु

सोनीपत। देवडु रोड स्थित ऋषिकुंज कॉलोनी में सोमवार सुबह महिला पशुपालक के दो पशु मृत पाए गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पशुपालन विभाग के डॉक्टर को भी बुलाया गया, जिन्होंने पशुओं की मौत के संभावित कारणों की जांच शुरू की।

■ पुलिस और पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचे, मेयर ने दिया सहायता का भरोसा

घटना की जानकारी मिलने पर नगर निगम मेयर राजीव जैन भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित पशुपालक पिंकी से मुलाकात कर सांत्वना दी और हर संभव मदद का भरोसा दिया। राजीव जैन ने अपने निजी कोष से 20 हजार देने का आश्वासन दिया। पिंकी ने बताया कि वह पशुओं का दूध बेचकर परिवार का खर्च चलाती है। रात को दोनों पशु स्वस्थ थे, लेकिन सुबह उठकर देखा तो वे मृत पड़े थे। आशंका है कि या तो किसी ने पशुओं को जहरीला पदार्थ खिला दिया या फिर किसी जहरीले कीड़े के काटने से उनकी मौत हुई। लोगों ने इस घटना पर चिंता जताई और प्रशासन से मांग की कि पशुओं की मौत की सही वजह का पता लगाया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल पुलिस और पशुपालन विभाग की टीम मामले की जांच में जुटी हुई है।

हलषष्ठी व्रत 14 को, बीमारियों और भय से सुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला हलषष्ठी व्रत, जिसे हरछठ, ललही छठ या बलराम जयंती भी कहा जाता है, इस वर्ष 14 अगस्त, गुरुवार को श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जाएगा। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम की पूजा होती है। बलराम को हलधर कहा जाता है क्योंकि उनका प्रमुख शस्त्र हल था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माताएं यह व्रत अपनी संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य के लिए रखती हैं।

आचार्य मनमोहन मिश्रा ने बताया कि षष्ठी तिथि 14 अगस्त को प्रातः 4:23 बजे शुरू होगी और 15 अगस्त को प्रातः 2:07 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार व्रत 14 अगस्त को ही रखा जाएगा। बलराम जी को शक्ति, धर्म और संरक्षण के प्रतीक के रूप में पूजते हैं। मान्यता है कि यह व्रत रखने से बच्चों को बीमारियों, भय और नकारात्मक शक्तियों से सुरक्षा मिलती है तथा परिवार में सुख-शांति और समृद्धि आती है।

हलधर भगवान बलराम की पूजा सुख शांति और समृद्धि का प्रतीक

ये हैं व्रत के नियम

व्रत के नियमों में हल से जुते खेत का अनाज (जैसे गेहूं, चावल) न खाना, केवल पसई का चावल या बिना हल का अनाज ग्रहण करना शामिल है। गाय का दूध, दही, घी का सेवन वर्जित है, भैंस के दूध से बने पदार्थ ग्रहण किए जा सकते हैं। साग-सब्जी से परहेज करना और हल से जुती जमीन पर न चलना भी आवश्यक है।

पूजा के शुभ मुहूर्त

- ब्रह्म मुहूर्तः सुबह 4:23 से 5:07 बजे तक
- अमृत कालः सुबह 6:50 से 8:20 बजे तक
- अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 11:59 से 12:52 बजे तक
- विजय मुहूर्तः दोपहर 2:37 से 3:30 बजे तक
- गोधूलि मुहूर्तः शाम 7:01 से 7:23 बजे तक

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का हाल: कहीं मरीजों के लिए बनी आफत तो कहीं राहत की दिख रही राहत की उम्मीद

अल्ट्रासाउंड मशीन बंद, सिजेरियन डिलीवरी का शुभारंभ

सोनीपत अस्पताल में 1000 से 1200 रुपये देकर करवा रहे अल्ट्रासाउंड, खरखौदा में सिजेरियन डिलीवरी से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सेवा करीब डेढ़ महीने से बंद पड़ी है, जिससे इलाज के लिए आने वाले मरीजों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। खराब मशीन अब तक ठीक नहीं हो सकी है। जिससे मरीजों को निजी सेंटरों पर 1000 से 1200 रुपये खर्च कर जांच करानी पड़ रही है। यह बोझ खासकर उन जरूरतमंद मरीजों पर ज्यादा पड़ रहा है, जो दिनभर में 400-500 रुपये ही कमा पाते हैं। प्रबंधन की तरफ से इंजीनियर को बुलाया गया है। जिसकी तरफ से मशीन को ठीक करने की प्रक्रिया अमल में लाई जा रही है। अस्पताल में हर रोज दो हजार से ज्यादा की ओपीडी रजिस्ट्रेशन संख्या है। गर्भवती व अन्य मरीजों को अल्ट्रासाउंड की आवश्यकता होती है। मरीज नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचते है। लंबे समय से अल्ट्रासाउंड की सुविधा अस्पताल में बंद है। सोमवार को कंपनी के इंजीनियर ने दिनभर मशीन ठीक करने का प्रयास किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक सफलता नहीं मिली। यह तीसरी बार है जब मशीन की मरम्मत की कोशिश विफल रही। यहां करीब चार साल पहले यह सुविधा मिली थी। सितंबर 2021 में रेडियोलॉजिस्ट डॉ. रीटा गोयल के तबादले के लंबे समय बाद 40 दिन पहले रेडियोलॉजिस्ट डॉ. धर्मेंद्र यादव ने ज्वाइंन किया तो मशीन में तकनीकी खराबी के कारण सेवा शुरू नहीं हो पाई। जिस पर सोनीपत शहर, मुरथल, कुंडली और राई के लोग भी आते हैं। प्रबंधन की तरफ से जल्द से जल्द मशीन को ठीक करने की प्रक्रिया अमल में लाई जा रही है।

मशीन ठीक करने के प्रयास जारी

अल्ट्रासाउंड की खराब मशीन को ठीक कराने के प्रयास जारी है। सोमवार को भी टेक्नीशियन बुलाया गया, लेकिन मशीन अभी ठीक नहीं हो पाई है। उम्मीद है जल्द सेवा शुरू होगी। उसके बाद मरीजों को सुविधा अस्पताल में मिलेगी। मरीजों की सुविधा के लिए हर जरूरी कदम उठाने का कार्य अस्पताल प्रबंधन की तरफ से किया जा रहा है। *-डॉ. संदीप लठवाल, मीडिया नोडल अधिकारी नागरिक अस्पताल।*

मिलेगी सुविधा

खरखौदा में सिजेरियन की सुविधा न होने से मरीजों खानपुर या दिल्ली जाना पड़ता था। अस्पताल में सुविधा होने से आसपास के मरीजों को लाभ मिलेगा। *-डॉ. गौरव एसएमओ, खरखौदा।*

गर्भवती महिलाओं को मिलेगा विशेष फायदा

खरखौदा। खरखौदा अस्पताल में अब सिजेरियन डिलीवरी (सी-सेक्शन) की सुविधा शुरू हो गई है, जिससे आसपास के लगभग 40 गांवों की गर्भवती महिलाओं को बड़ा लाभ मिलेगा। यहां आधुनिक ऑपरेशन थिएटर बनाया है। जिसके बाद हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं को अब सोनीपत या खानपुर अस्पताल जाने की मजबूरी नहीं रहेगी। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और नागरिकों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

सोमवार को इस सुविधा की शुरुआत के साथ ही 11 साल बाद खरखौदा सीएचसी में पहली बार एक महिला ने सिजेरियन डिलीवरी के जरिए बच्चे को जन्म दिया। सफल ऑपरेशन के दौरान गायनोलॉजिस्ट डॉ. रिचा, डॉ. प्रवीण, डॉ. नितेश, डॉ. वैशाल सैनी, डॉ. शुभम, डॉ. संतोष, नर्सिंग ऑफिसर रीना, सुमन लता, सत्येंद्र खत्री, ओटी टेक्नीशियन अनिल रंगा, शेखर सैनी व अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

कम्प्यूटर खरीद के लिए मिले 50 हजार

गोहाना। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने पांच दिन पहले किए अपने वादे को पूरा कर दिया। नागरिक अस्पताल गोहाना में मरीजों को जल्द एक्स-रे की रिपोर्ट मिल सके, इसके लिए कम्प्यूटर खरीदने को 50 हजार रुपये भिजवा दिए। अस्पताल का प्रशासन अब कम्प्यूटर खरीदेगा, जिसके बाद मरीजों को साथ में ही मोबाइल पर एक्स-रे रिपोर्ट मिल सकेगी।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
पाठकों के लिए आवश्यक सूचना
"पाठक इनामी योजना 2025" के सभी कूपन अखबार में प्रकाशित हो चुके हैं। इसके प्रपत्र जमा करने प्रारम्भ कर दिये गये हैं। आप अपने प्रपत्र को साधारण डाक द्वारा हरिभूमि के मुख्यालय में भेज सकते हैं। क्षेत्र में स्थित हरिभूमि कार्यालय या अपने नजदीकी समाचार पत्र एजेन्ट के पास भी प्रपत्र पूरा भरकर जमा करवा सकते हैं। फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि 30 सितम्बर 2025 रखी गई है। किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें :-
प्रसार प्रबंधक
हरिभूमि कार्यालय
हरिभूमि, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8814999173, 9253681005
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

South Point
GROUP OF INSTITUTIONS, SONIPAT
Run by Mange Ram Educational and Charitable Trust (Regd.)
98120 20033, 98124 21919, 90344 72910
DILBAG S. KHATRI
CHAIRMAN
98120 20033
DIRECT Admission
• B.Tech / LEET (CSE, ECE, Mech., Civil)
• Polytechnic / Diploma / LEET (CSE, ECE, Electrical, Mech., Civil, MLT)
• BBA, BCA, MBA, MCA
• M.Tech (CSE, ECE) M.Tech Part Time (ECE / CSE)
LAST DATE 14.8.2025
www.southpoint.net.in
Admissions Open till 31st August 2025
• B.A. LL.B (Hons.), L.L.B. (Hons.), LLM (Hons.)
• B.A., B.Sc. (Medical/ Non-Med.), B.Com,
• M.Com, PGD (Yoga)
• M.Sc. (Physics, Chemistry, Maths)
• M.A. (English, Hindi, History, Pol.Sc.)
• B.Ed., M.Ed., JBT / D.Ed., B.P.Ed.
• D.Pharm, B.Pharm / Leet
• B.Sc. (Nursing)
• CBSE Affiliated, Sr. Sec. Schools

BE SMART - BE DIFFERENT
JOIN JLN
JAWAHARLAL NEHRU COLLEGE OF EDUCATION
Affiliated to Ch. Ranbir Singh University Jind, Haryana (State University)
JLN PLAY SCHOOL
PRIMARY SCHOOL
SR. SEC. SCHOOL
Course
B.Ed.
(Bachelor of Education)
Admission OPEN
Session 2025-26
79th Wish You a Very Happy INDEPENDENCE DAY
15th AUGUST 2025
Kath Mandi Gohana Mob.: 9812401234

M.R. SR. SEC. SCHOOL
Aff. To C.B.S.E. New Delhi
ENGLISH MEDIUM
M.R.M. COLLEGE OF EDUCATION
Reco. By NRC, NCTE, New Delhi
GOHANA
Affiliated to DCRUST Murthal
आप सभी को स्वतंत्रता दिवस एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं
ADMISSION OPEN For Session 2025-26

B.Ed.
Admission Start
(2025-27)
Gautam Nagar, Gohana
M.D.
Rajbir Singh
Principal
Anita Sharma
Mob. : 9255543278, 7988142770

हरिभूमि सहेली

स्वाधीनता दिवस विशेष

यह सही है कि वर्षों गुलामी की जंजीरों की जकड़न से मुक्ति मिलने पर तत्कालीन देश-समाज में महिलाओं की स्थिति अच्छी नहीं थी। लेकिन तमाम विडंबनाओं, चुनौतियों और संघर्षों को पार कर आधी आबादी ने ना केवल खुद को मजबूती से प्रतिष्ठित किया, सशक्त राष्ट्र निर्माण में भी महती भूमिका निभाई, अब भी निरंतर निभा रही है।

आधी आबादी की सहभागिता से सशक्त हो रहा देश-समाज

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा

वास्तव में स्वतंत्र होने के सही मायने, जीवन के हर पहलू पर सशक्त भागीदारी निभाने से जुड़े हैं। इस मोर्चे पर देखें तो भारतीय महिलाओं ने आजादी मिलने के बाद बेहतरीन सफर तय किया है। हमारे देश की स्त्रियां आज परिवार से लेकर देश की सीमाओं तक, हर फ्रंट पर डटी हैं। 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे आजाद भारत में विकास और बदलाव की संघर्षपूर्ण यात्रा में स्त्रियों की भूमिका रेखांकित करने योग्य रही है।

पारिवारिक जुड़ाव की महत्वपूर्ण कड़ी

फैमिली सिस्टम किसी देश की आत्मा होता है। परिवार में ही बड़ी पीढ़ी के अनुभव, नई पीढ़ी के जीवन को दिशा देते हैं। नई पीढ़ी के रूप में देश का भविष्य भी घर-आंगन में ही गढ़ा जाता है। स्वतंत्रता के बाद से ही देश के सामाजिक-पारिवारिक माहौल में भी महिलाएं अहम रोल निभाती आई हैं। गृहिणी के रूप में रिश्तों को संभालने की बात हो या काम-काजी महिला के रूप में वर्कफोर्स का हिस्सा बनने की, महिलाओं ने हर तरह से घर-परिवार की बगिया को सींचा है। असल में स्त्रियां ही हमारे फैमिली सिस्टम की लाइफलाइन रही हैं। वास्तव में पारिवारिक रिश्तों का मैनेजमेंट ही समाज को भी स्थिरता देता है। अपनों का यह जुड़ाव अपने राष्ट्र से भी जुड़ने का भाव जगाता है। सुखद यह भी है कि परंपरागत जिम्मेदारियों के निभाने के साथ ही घर-परिवार में स्त्रियां अब लीडरशिप रोल में भी आ गई हैं। स्वतंत्रता के बाद शिक्षित-सजग महिलाओं के आंकड़ों में हुए इजाफे से सोशल, फाइनेंसियल और पर्सनल हर फ्रंट पर फैसले लेने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ी है। घरेलू और सामाजिक जीवन में महिलाएं अब स्वतंत्र व्यक्तित्व और विचारों की धनी बन रही हैं। इसके चलते सशक्त समाज के निर्माण में आधी आबादी ने पूरी जिम्मेदारी से अपना मोर्चा संभाल रखा है।

उद्यमिता की दुनिया में दखल

स्वतंत्र भारत की तरक्की में वुमेन वर्कफोर्स का प्रभावी रोल रहा है। स्किल डेवेलपमेंट से लेकर हायर डिग्रियां हासिल करने तक, स्त्रियां किसी भी मामले में पीछे नहीं रहीं। आगे बढ़ने के सतत प्रयास की वजह से देश की उन्नति में भी वे भागीदार बनी हैं।

एआई इमेज

स्त्रियों को इसी जज्बे से क्रिएटिव सोच, साइंस, रिसर्च और आर्म्ड फोर्सेस तक, अपनी जगह बनाने का मनोबल मिला है। गांवों-कस्बों में महिलाएं ड्रोन उड़ा रही हैं। एंटरप्रेन्योरशिप की दुनिया में भारतीय महिलाओं का दखल चकित करता है। आज अपना बिजनेस शुरू करने, मैनेज करने और आगे बढ़ाने में स्त्रियां कमाल कर रही हैं। नए प्रोडक्ट्स, सर्विसेस और आइडियाज लेकर एंटरप्रेन्योर बनी महिलाएं आज सफल चेहरों में शुमार हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों और ई-कॉमर्स के जरिए व्यवसाय जमाने वाली महिलाएं तो नई पीढ़ी को प्रेरणा दे ही रही हैं। ट्रैक्सन के एक अध्ययन के मुताबिक भारतीय तकनीकी उद्योग में स्टार्टअप्स में वुमन एंटरप्रेन्योर्स की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से ज्यादा है। वहीं नेशनल सर्वे बताते हैं कि एमएसएमई इंडस्ट्रीज में महिलाओं की भागीदारी 20 फीसदी है। स्वतंत्र भारत के बेहतरी की ओर बढ़ते समाज में महिला उद्यमियों के प्रति सकारात्मक नजरिया और सपोर्ट भी देखने को मिल रहा है। हालिया आंकड़ों के अनुसार देश में वुमेन वर्कफोर्स की भागीदारी बढ़कर 41.7 प्रतिशत हो गई है। वर्कफोर्स में भागीदारी के साथ ही बहुत सी चुनौतियों के बावजूद महिलाएं, एंप्लॉयमेंट देने वाले सेटअप्स भी बना रही हैं। इस देश की नागरिक होने के नाते अपनी भूमिका को पॉजिटिव रूप से विस्तार दे रही हैं। इनोवेशन और स्पेशलाइजेशन के इस संसार में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना असल में देश की बेहतरी से जुड़ना ही है।

खुद की बेहतरी संग बदलाव

देश, समाज या व्यक्तिगत जीवन, आधी आबादी अपनी पूरी हिस्सेदारी दर्ज करवा रही है। स्वतंत्रता के संग्राम से लेकर समाज में सहज सी बातों-हालातों को बदलने तक, भारतीय महिलाएं उत्साह से जुटी हुई हैं। प्रोफेशनल मोर्चे पर आत्मविश्वास के साथ नए फील्ड्स को एक्सप्लोर कर रही हैं। पर्सनल फ्रंट पर भी खुद की संभाल, देखभाल के भाव को बल मिला है। पारंपरिक छवि में तीज-त्योहार मनाती महिलाएं हंसती-खिलखिलाती नजर आती हैं। वहीं विज्ञान-व्यवसाय और तकनीक के संसार में भी उनकी प्रभावी इमेज नजर आती है। देश-समाज और परिवार की धुरी बन आज की स्त्रियां एक ओर सब कुछ थामे हुए हैं तो दूसरी ओर खुद को संभालने का जज्बा भी कम नहीं है। इसी अवेयरनेस के चलते अपनी सशक्त और समर्थ छवि बनाने-निखारने की सोच पूरे समाज में सकारात्मक बदलाव ला रही है। बदलते परिवेश में बहू-बेटियों

को उनके सपने साकार करने में मदद मिल रही है। ऐसे सभी भाव अपने देश को आगे ले जाने से जुड़े हैं। स्त्रियों का खुदमुख्तार होने का यह जज्बा स्वाधीन भारत की नींव सुदृढ़ करने वाला है।

इस बार नए अंदाज में मनाएं स्वतंत्रता दिवस

स्वाधीनता दिवस, हर भारतवासी के लिए गर्व और उल्लास भरा पर्व होता है। लेकिन इसे आप और भी खास, यादगार बना सकती हैं। इसके लिए आप अपने परिवार के सदस्यों और आस-पड़ोस के लोगों, बच्चों को शामिल कर सकती हैं।

सेलिब्रेशन

रजनी अरोड़ा

स्वतंत्रता दिवस, आजादी की जंग में शहीद हुए स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने, उन्हें श्रद्धांजलि देने और स्वाधीन होने का उत्सव मनाने का दिन है। यह सिर्फ एक राष्ट्रीय अवकाश नहीं, बल्कि परिवार के संग देशभक्ति का भाव जगाने और नई पीढ़ी को भारत की आजादी के संघर्ष की जानकारी देने का सुअवसर भी है। ऐसे कई रचनात्मक तरीके हैं, जिनसे आप अपने परिवार के साथ स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को यादगार और अर्थपूर्ण बना सकती हैं।

करें ध्वजारोहण-गाएं राष्ट्रगान: अगर आप किसी सरकारी या निजी संस्थान में काम करती हैं तो वहां ध्वजारोहण जरूर किया जाता होगा, उसमें तो आप शामिल होती ही हैं। लेकिन आप अगर हाउसवाइफ हैं तो अपने घर के आंगन या छत पर भी तिरंगा फहरा सकती हैं। इसके बाद बच्चों समेत सब परिजन मिलकर राष्ट्रगान 'जन गण मन' गाएं। तिरंगे को सलामी दें। बच्चों के संग मिलकर 'भारत माता की जय' के नारे लगाएं। यकीनन इससे सभी के मन में गर्व की अनुभूति होगी।

सार्वजनिक कार्यक्रमों में लें भाग: आमतौर पर स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्कूल-कॉलेज, कार्यालयों में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्वतंत्रता दिवस के दिन रिहायशी इलाकों, सोसाइटी या मुहल्लों में भी कार्यक्रम का आयोजन होता है। इन कार्यक्रमों में परिवार समेत भाग लेकर आप स्वतंत्रता सेनानियों को याद कर सकती हैं।

तिरंगा थीम फैमिली फोटोशूट: इस खास अवसर के लिए पूरे परिवार के लिए व्हाइट ड्रेस चुनें। उसके साथ केसरिया-हरा स्कार्फ, बैज या दुपट्टा भी जोड़ें। घर पर तिरंगे बैकग्राउंड वाला सेटअप बनाएं। बच्चों के हाथों में 'मैं भारत हूं' या 'वंदेमातरम' लिखे कार्ड पकड़ाएं। आप तिरंगा थाम सकती हैं। तिरंगा फहराने के बाद इसी थीम में ग्रुप फोटोज क्लिक करें। इसे सोशल मीडिया पर शेयर करें। ये पल आपके लिए यादगार बन जाएंगे। इस दिन स्वदेशी यानी मेड इन इंडिया उत्पादों का प्रयोग करने का संकल्प भी ले सकती हैं।

देशभक्ति वाली फिल्में देखें: स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के बाद आप अपने परिवार के साथ देशभक्तिपूर्ण फिल्म देख सकती हैं। इस मौके पर आप 'शहीद', 'लगान', 'रंग दे बसंती', 'चक दे इंडिया', 'स्वदेस', 'मंगल पांडे', 'भगत सिंह', 'तिरंगा', 'बॉर्डर', 'क्रांति' या कोई अन्य पसंद वाली देशभक्तिपूर्ण फिल्म देख सकती हैं। इन फिल्मों को देखते हुए आप स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और उनके संघर्ष के बारे में भी बच्चों को बताएं। इससे उनके मन में देशभक्ति की भावना और सघन होगी।

देशभक्ति संबंधी किताबें पढ़ें: अगर आप पढ़ने की शौकीन हैं तो देशभक्ति संबंधी किताबें भी पढ़ सकती हैं। परिवार के अन्य सदस्यों को भी पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों की जीवन कथाएं या प्रेरक प्रसंग आसान और रोचक तरीके से सुनाएं।

पौधे लगाएं: घर के गार्डन में या आस-पास के पार्क में आप अपने परिवार के साथ आजादी के जश्न के नाम पर एक-एक पौधा जरूर लगाएं। परिवार के सभी सदस्य आगे उनका ख्याल भी रखें। इससे आपको स्वाधीनता दिवस समारोह की याद रहेगी और पौधे के जरिए आप देश के वातावरण को स्वच्छ बनाने में सहभागिता भी निभा सकती हैं। आप अपने पड़ोसियों को भी इसके लिए प्रेरित कर सकती हैं।

महात्म्य

आर.सी.शर्मा

श्रीकृष्ण को भगवान के रूप में हम सब पूजते ही हैं। लेकिन उन्होंने अपनी लौकिक लीलाओं में ऐसे अनेक संदेश दिए, जो आज भी संपूर्ण मानवता के लिए पथ-प्रदर्शक बने हुए हैं।

जीवन-जगत के शाश्वत पथ-प्रदर्शक श्रीकृष्ण

कृष्ण वंदे जगतगुरुम्। यह वाक्य सिर्फ धार्मिक श्रद्धा का भाव नहीं है बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए एक जीवन दर्शन भी है। श्रीकृष्ण का स्वरूप इतना विराट है कि उनके अनेक आयाम हैं। वह देवता हैं, लीलानायक हैं, परमब्रह्म हैं, योगेश्वर हैं, राजनीतिज्ञ और कूटनीतिज्ञ भी हैं। कुरुक्षेत्र में उन्होंने अर्जुन को जो गीता का गुरु ज्ञान दिया, वह समय की सीमाओं को पार कर हर समय के लिए एक शाश्वत जीवनमूल्य बन गया है। आज दुनिया जिस तरह से अनेक संकटों से घिरी है, कई तरह के नैतिक भ्रम पसरे हैं, युद्ध की आशंकाएं हर तरफ मंडरा रही हैं, पर्यावरणीय आपदाएं सिर उठाए खड़ी हैं, इंसान मानसिक अवसाद और सामाजिक विघटन से जूझ रहा है और इस सबके बीच समाज से आध्यात्मिक चेतना छीजती जा रही है। ऐसे में भगवान श्रीकृष्ण केवल श्रद्धा का विषय नहीं हैं बल्कि आज के संकटग्रस्त विश्व के शाश्वत समाधान की तरह हैं।

देते हैं संकट से संघर्ष का मंत्र: अगर गहराई से देखें तो महाभारत काल में सिर्फ एक कुरुक्षेत्र का युद्ध हुआ था। लेकिन आज तो दुनिया का हर युवा, वृद्ध और बालक अपने-अपने जीवन के कुरुक्षेत्र में खड़ा है। कोई नौकरी और आत्मसम्मान के बीच द्वंद्वरत है, कोई रिश्तों में मोह और स्वाभिमान की टकराहट से घिरा है, किसी के अंदर धर्म और लोभ का संघर्ष चल रहा है, तो बाहरी तौर पर दुनिया के अनेक राष्ट्रों के बीच अपने अहम का वर्चस्व स्थापित करने के लिए गैरजरूरी युद्ध लड़े जा रहे हैं। ऐसे में आज हर सोचने-समझने वाला व्यक्ति अर्जुन की भांति किंकतर्व्यविमूढ़ खड़ा है। वह युद्ध करना नहीं चाहता और हालात ऐसे हैं कि बिना युद्ध के उनसे निकलना

भी संभव नहीं है। ऐसे में स्त्री हो या पुरुष, हर किसी को श्रीकृष्ण जैसे एक सारथी की जरूरत है, जो न केवल उसका रथ हांके, उसे नैतिक विश्वास का संरक्षण भी दे, ताकि वह अपने हिस्से की लड़ाई को पूरे वेग से लड़ सके। यहीं पर मौजूं हो जाता है 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का मूल विचार यानी तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने का है, फल की चिंता मत करो, को अपनाएं। यही श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी शिक्षा है और यही शिक्षा इस संकटग्रस्त विश्व का सबसे बड़ा समाधान है। खासतौर पर स्त्रियों को ऐसे संबल की आवश्यकता अधिक होती है क्योंकि उनका संघर्ष कई मायने में पुरुषों से भी जटिल और बहुस्तरीय होता है।

देते हैं जीवंत-कर्मरत रहने का संदेश: भले आज विज्ञान और तकनीक ने हमें बहुत भौतिक समृद्धि दी हो, लेकिन अधिकांश लोग तनाव, बेचैनी और अकेलेपन से जूझ रहे हैं। अधिकतर महिलाओं पर घर-बाहर के काम का इतना दबाव बढ़ता जा रहा है कि वे अवसाद से ग्रस्त रहने लगती हैं। ऐसे में जीवन से अरुचि महसूस होने लगती है। इस मानसिक संत्रास और धार्मिक-आध्यात्मिक शून्यता में फिर से गीता के प्रकाश की जरूरत है। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं, 'योगस्थः कुरु कर्माणि' अर्थात मन को स्थिर करके कर्म करो। गीता का यह श्लोक आज के मेंटल हेल्थ संबंधी विचार और सिद्धांत से पूरी तरह से मेल खाता है, जिसमें कहा गया है कि मन को स्थिर रखें, जो गुजर गया, उसकी परवाह न करें, भविष्य की चिंता में डूबें नहीं और जो वर्तमान है, उसमें डूबकर जीएं। इससे शारीरिक और मानसिक तौर पर खुश रहेंगे।

समझें प्रेम का उदात्त स्वरूप

आज हमें अपने इर्द-गिर्द छल, कपट, स्वार्थ और अनीति का वातावरण दिखता है। ऐसे में हम कृष्ण से नैतिकता और विवेक के संतुलन का पाठ सीख सकते हैं। आज जितने लोग विपन्न पहले कभी नहीं रहे। क्योंकि भोगवादी संपन्नता क्षणिक होती है और आज का पूरा समय ही भोग-लिप्सा का समय है। ऐसे में जरूरत है कि एक बार फिर से हम राधा-कृष्ण के उस आध्यात्मिक प्रेम की तरफ देखें, जो धर्म और आचरण की शुद्धता का पर्याय है, जो निजी भावनाओं को ही नहीं बल्कि वातावरण को प्रेममय बना देता है।

रेसिपी/ ओम प्रकाश गुप्ता

भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव पर्व **जन्माष्टमी (16 अगस्त)** पर आप जरूर व्रत रखेंगी और रात में पूजन के बाद नन्हे कान्हा जी को भोग भी लगाएंगी। इसीलिए इस बार हम आपको बता रहे हैं कई तरह के भोग की रेसिपी।

कान्हा के लिए बनाएं मीठे-मीठे भोग

मीठे गुड़-मखाने

सामग्री : मखाने-100 ग्राम, गुड़ का चूरा-100 ग्राम, सफेद तिल-1 बड़ा चम्मच, घी-तलने के लिए

विधि: कड़ाही में घी गरम करके मंदी आंच पर मखाने तल लें। गुड़ में थोड़ा सा पानी मिलाकर एक तार की चाशनी बनाएं। चाशनी में तले हुए मखाने डालकर अच्छी तरह चलाएं। तिल डालकर थोड़ा और चलाएं। मखानों पर चाशनी चढ़ जाने पर आंच से उतार लें। थोड़ा ठंडा होने पर कड़ाही से निकालें। मीठे गुड़-मखाने तैयार हैं।

मक्खन-मिश्री लड्डू

सामग्री : गाय के दूध का मक्खन-250 ग्राम, पिसी चीनी-2 बड़े चम्मच, मिश्री के दाने-1/2 कप, पिस्ता चूरा-1 छोटा चम्मच, तुलसी के पत्ते-थोड़े से

विधि: मक्खन में चीनी मिलाकर अच्छी तरह फेंटें। इसमें आधे मिश्री के दाने और पिस्ता चूरा मिलाकर फ्रीजर में रख दें। 1-2 घंटे बाद मक्खन काफी सख्त हो जाएगा। तब इससे मनचाहे आकार के लड्डू बना लें। इन पर बचे मिश्री के दाने लगाकर फिर से फ्रिज में रख दें। जब चाहें तब ठंडे-ठंडे मक्खन के लड्डू फ्रिज से निकालें और तुलसी के पत्ते से गार्निश करके तुरंत सर्व करें।

दूध-दही पंचामृत

सामग्री : दूध-2 कप, दही-1/4 कप, पिसी चीनी-50 ग्राम, शहद-1 छोटा चम्मच, बादाम-1 बड़ा चम्मच, पिस्ता-1 छोटा चम्मच, घी-1 छोटा चम्मच, गंगा जल-1 छोटा चम्मच, तुलसी के पत्ते-4, चांदी का वर्क-1

विधि: सबसे पहले बादाम और पिस्ते बारीक काट लें। दूध में चीनी घोल लें। इसमें एक कप ठंडा पानी मिला लें। फिर दही, घी, शहद और गंगा जल मिला लें। ऊपर से तुलसी के पत्ते डाल कर कटा बादाम और कटा पिस्ता बुरक दें। दूध-दही पंचामृत तैयार है।

आस्था

अनीता जैन

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव यानी जन्माष्टमी के पर्व का जितना धार्मिक महत्व है, उतना ही यह आत्मबोध का भी पर्व है। इस दिन श्रद्धा से व्रत पूजन करने से शुभ फलों की प्राप्ति के साथ आत्मोत्थान का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भक्ति-आत्मबोध का दिव्य पर्व

जब-जब धरती पर अधर्म और अत्याचार बढ़ता है, तब-तब भगवान अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं। इन अवतारों का उद्देश्य केवल दुष्टों का नाश नहीं, बल्कि मानव समाज को सत्य, प्रेम और कर्तव्य का मार्ग दिखाना भी रहा है। प्रत्येक अवतार मानवता को नया दृष्टिकोण देता है। भगवान विष्णु के सभी अवतारों में श्रीकृष्ण का अवतार सबसे विशिष्ट माना जाता है। श्रीकृष्ण केवल एक पूजनीय देवता ही नहीं, बल्कि वह ऐसे आदर्श पुरुष हैं, जिनके जीवन में भक्ति, नीति, प्रेम और ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। उनके जन्म की रात्रि, जिसे मोहरात्रि कहा गया है, संसारिक मोह से मुक्ति का संदेश देती है।

आध्यात्मिक जागरण का पर्व: जन्माष्टमी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जागरण का पर्व है। यह पर्व हमें श्रीकृष्ण के अवतारी जीवन से सीख लेने को प्रेरित करता है। इस अवसर पर हर मंदिर और घर में झूला सजता है, भजन-कीर्तन होते हैं और भक्त रात भर जागरण करते हैं। उपवास, ध्यान और श्रीकृष्ण के नाम स्मरण से मन को शांति और आत्मा को ऊर्जा मिलती है। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि सच्चा प्रेम, भक्ति और धर्म ही जीवन के शाश्वत आधार हैं।

पौराणिक मान्यता: अवतार का तात्पर्य होता है-अव्यक्त से व्यक्त रूप में ईश्वर का प्रादुर्भाव। जब कंस जैसे अत्याचारी का आतंक बढ़ा, तब श्रीहरि ने देवकी-वासुदेव के पुत्र रूप में जन्म लेकर धर्म की पुनः स्थापना का उद्घोष किया। उनके जन्म लेते ही कारागार के बंद द्वार खुल गए, हथकड़ियां टूट गईं और प्रहरी निद्रावश हो गए। श्रीकृष्ण को वासुदेव यमुना पार गोकुल ले गए। यह केवल एक बालक का अवतरण नहीं, बल्कि ब्रह्म का प्रकट होना था। श्रीकृष्ण के इस आलौकिक प्राकट्य ने समस्त जगत को उल्लासित कर दिया। श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन केवल लीलामय नहीं, बल्कि गूढ़ जीवन-दर्शन से परिपूर्ण है। उन्होंने गोकुल में मुरली के मधुर स्वर से प्रेम का पाठ पढ़ाया, तो कुरुक्षेत्र में गीता के रूप में कर्मयोग का संदेश भी दिया।

श्रीकृष्ण जन्म की रात्रि का आलौकिक महत्व: हमारे धर्मग्रंथों में चार विशेष रात्रियों का उल्लेख है- कालरात्रि (दीपावली), महारात्रि (शिवरात्रि), अहोरात्रि (होली) और मोहरात्रि (जन्माष्टमी)। जन्माष्टमी की रात को योग, ध्यान, जप और उपासना का विशेष महत्व है। इस रात्रि में जागरण से मोह-माया से मुक्त होकर आत्मबोध बढ़ता है।

व्रत-पूजन विधि और महत्व

भविष्य पुराण में जन्माष्टमी व्रत को व्रतराज कहा गया है। जिस घर में यह व्रत श्रद्धापूर्वक किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु, कलह, दुर्भाग्य जैसे दोष नहीं आते। इस दिन प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख कर व्रत का संकल्प लें। देवकी-वासुदेव और बालक श्रीकृष्ण की मूर्ति या चित्र को झूले में स्थापित करें। व्रत में देवकी, वासुदेव, नंद, यशोदा, बलराम आदि का नाम लेकर पूजन करें। रात्रि 12 बजे के बाद श्रीकृष्ण के जन्म के समय पंचामृत से अभिषेक करें। इसके बाद भगवान को नवीन पीतांबर वस्त्र पहनाएं, तिलक करें और उन्हें पालने में झुलाएं। पूजन में तुलसी, फूल, अक्षत, धूप-दीप, नैवेद्य का प्रयोग करें। माखन-मिश्री, धनिए की पंजीरी, पंचामृत और मक्खन-शक्कर का भोग लगाएं। झूला झुलाते हुए भजन-कीर्तन करें। आरती के पश्चात प्रसाद को भक्तों में वितरित करें और रात्रि जागरण करें। इस रात मंत्रजप, श्रीकृष्ण नामस्मरण और गीता पाठ करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। यह पूजन व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है।

खबर संक्षेप

रेलवे रोड से बाइक चोरी वारदात सीसीटीवी में कैद

सोनीपत। रेलवे रोड पर एक युवक की बाइक चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। फुटेज में आरोपित करीब पांच मिनट तक बाइक पर बैठा शर्ट पहनने का नाटक करता नजर आया और मौका पाते ही बाइक को पैदल घसीटकर ले गया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। ऋषि कॉलोनी निवासी ध्रुव ने बताया कि वह रेलवे रोड स्थित एक न्यूज एजेंसी में अखबार वितरण का काम करता है। रोजाना की तरह वह सुबह अखबार लेने एजेंसी पहुंचा और बाइक को लगभग 50 मीटर दूर खड़ा कर अखबारों में पंपलेट लगाने लगा।

पुलिस ने युवक तीस ग्राम गांजे सहित पकड़ा

खरखौदा। क्राइम यूनिट ने सिसाना से गोहाना जाने वाले मार्ग पर रिढ़ाऊ मोड़ के पास से एक युवक को नशीले पदार्थ सहित पकड़ा है। आरोपित के पास से चार किलो 30 ग्राम गांजा पकड़ा गया है, आरोपित ने अपनी पहचान कुराड, हाल इसराना, पानीपत के रहने वाले प्रिंस के रूप में दी है। आरोपित के साथ खरखौदा थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। क्राइम यूनिट, खरखौदा की एक टीम एसआइ चांद की अगुवाई में गश्त पर थी, इसी बीच टीम को सूचना मिली की एक युवक नशीले पदार्थ सहित सिसाना-गोहाना मार्ग पर रिढाऊ मोड़ के पास खड़ा है।

पुलिस ने अवैध हथियार सहित युवक दबोचा

खरखौदा। क्राइम यूनिट ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित ने अपनी पहचान चौलका के बंशीलाल के रूप दी। जिसके बाद से एक अवैध हथियार व तीन कारतूस बरामद हुए। जिस पर आरोपित के खिलाफ खरखौदा थाने में केस दर्ज करवाया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर क्राइम यूनिट की टीम ने खरखौदा-खांडा मार्ग से नहर के पास से युवक के पकड़ा है।

मां के जन्मदिन पर रेणु गुप्ता ने लगाया भंडारा

राई। रेणु विद्या मंदिर संस्थान की प्रेरणा रेणु गुप्ता ने अपनी स्वर्गीय माता के जन्मदिवस पर भंडारा लगाया। आसपास के अस्पतालों में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए निःशुल्क पौष्टिक भोजन की व्यवस्था भी की गई। रेणु गुप्ता ने कहा कि सेवा कार्य का उद्देश्य समाज में आपसी सहयोग, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना था। लोगों ने रेणु के पुनीत कार्य की सराहना की। गुप्ता ने कहा अन्य लोगों को भी जन्मदिन इस तरह मनाने चाहिए।

श्राप से मुक्ति दिलाती है भागवत कथा : शास्त्री

गन्नौर। गढ़ी केसरी स्थित राधे कृष्ण मंदिर में सात दिवसीय श्रीमदभागवत कथा के दूसरे दिन कथावाचक कार्ष्णि राधारमण शास्त्री ने कुंती स्तुति, भीष्म स्तुति व श्रीशुकदेव प्राकटम का वर्णन किया। बताया कि कुंती ने भगवान से वरदान में दुख और विपत्ति की मांग की। कुंती ने बताया कि सुख में लोग भगवान को भूल जाते हैं और दुखों में विपदा के समय प्रभु का सदैव स्मरण करते हैं।

युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश

सोनीपत। सोनीपत पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा विरोधी जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को थाना मोहाना के प्रबंधक निरीक्षक मोहन कुमार अपनी टीम के साथ गांव माहरा पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों और इससे होने वाले सामाजिक व स्वास्थ्य नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

गांव पुरखास में रक्तदान शिविर का आयोजन

गन्नौर। गांव पुरखास स्थित औषधालय परिसर में डॉ. राम अवतार सिंह जिला आयुष अधिकारी सोनीपत के मार्गदर्शन में निशुल्क आयुष चिकित्सा व रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सोनीपत जसबीर दोदवा, नीरज कुमार ने शिरकत की। इस अवसर पर 51 यूनिट रक्तदान किया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर भारत माता की जय के जयकारे लगाए

वीर सैनिक हमारे राष्ट्र का गौरव : अरविंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सेना के सम्मान में सोमवार को भाजपा जिला गोहाना द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में भारी तादाद में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगे झंडे लेकर भारत माता के जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। अध्यक्षता जिला गोहाना भाजपा अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने की। संयोजन पहलवान योगेश्वरदत्त का रहा। विशिष्ट अतिथि डॉ. रीटा शर्मा रही।

मुख्य अतिथि डॉ. अरविन्द शर्मा ने कहा कि वीर सैनिक हमारे राष्ट्र का गौरव हैं। आपरेशन सिंदूर की कामयाबी से यह साबित हो गया कि हमारी सेना विश्व की सर्वश्रेष्ठ सेना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारी सेना के सम्मान में पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकलवाकर हौंसला बढ़ाया। बिजेंद्र मलिक ने कहा कि प्रदेश की नायब सरकार नायाब कार्य कर रही है। इनके कामों से समाज का हर वर्ग खुश है। यात्रा में प्रदीप सांगवान, नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी, जसबीर दोदवा, तीर्थ राणा, महेंद्र चिड़ाना, अरुण बड़ौक, जितेन्द्र शर्मा, बलराम कौशिक, नरेंद्र गहलावत, परमवीर सैनी, कुलदीप कौशिक, डॉ. राममेहर राठी, ओमवीर वत्स, राजेश भावड़, भूपेंद्र मुदगिल, जस्सी खुराना, प्रवीण कश्यप और सुमित कक्कड़ सहित नगर पार्षद, विभिन्न गांवों के सरपंच व विद्यालयों के विद्यार्थी शामिल रहे।

गोहाना। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ तिरंगा यात्रा निकालते मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

आपरेशन सिंदूर की कामयाबी से ये साबित हो गया कि हमारी सेना विश्व की सर्वश्रेष्ठ सेना

देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें: विधायक

राई। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को राई हलके के गांव नाथूपुर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के लोगों ने बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ भाग लिया। यात्रा का शुभारंभ राई हलका विधायक विधायक कृष्णा गहलावत ने शहीद भक्त सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया। यात्रा शहीद भगत सिंह चौक से शुरू हुई। तिरंगा यात्रा में सभी हाथों में तिरंगा लिए देशभक्ति के नारों के साथ शामिल हुए। यात्रा गाँव के मुख्य मार्गों से होते गुजरी, जहां जगह-जगह लोगों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। इस दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम और इंकलाब जिंदाबाद के नारे गूंजते रहे, जिससे पूरे गांव में देशभक्ति का माहौल बन गया। विधायक कृष्णा गहलावत ने संबोधित करते कहा कि आज शहीद भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले पा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें और देश को और अधिक सशक्त बनाने में अपना योगदान दें। विधायक कृष्णा गहलावत ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया और देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपने इतिहास और शहीदों के बलिदान के बारे में जानने का अवसर मिलता है। यह तिरंगा यात्रा न केवल स्वतंत्रता दिवस के प्रति लोगों में उत्साह जगाने में सफल रही, बल्कि इसने गाँव में आपसी सौहार्द और देशभक्ति की भावना को भी सुदृढ़ किया। जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, तरुण देवीदास, मोनिका दहिया चेयरमैन जिला परिषद, ब्लॉक समिति अध्यक्ष सीमा देवी, नगरपालिका अध्यक्ष शिमला देवी, पूर्व मार्किट कमेटी चेयरमैन कुलदीप नांगल, भाजपा नेता मास्टर सतनारायण आंतिल, युवा नेता एवं जिला उपाध्यक्ष पुनीत राई, जेपी रेवाली, अंजली बजाज, सुरेन्द्र बरोठा आदि मौजूद रहे।

राई। भव्य तिरंगा यात्रा में विधायक कृष्णा गहलावत देशभक्ति से ओतप्रोत नारे लगाते साथ में भाजपा नेता पुनीत राई, सतनारायण आंतिल, कुलदीप नांगल।

खुशीराम बोस को किया याद

गोहाना। सोमवार को ग्राम सुधार समिति खंदराई द्वारा गांव खंदराई और आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा द्वारा शहर में बलिदानी खुदीराम बोस को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि दी। समिति के अध्यक्ष जगमहेंद्र सिंह ने कहा कि खुदीराम बोस का जन्म तीन दिसंबर 1889 को मोहोबनी पश्चिम मेदिनीपुर (बंगाल) में हुआ था। कम उम्र में ही इनके माता-पिता का देहांत हो गया था। इनका पालन पोषण बड़ी बहन ने किया था। बोस भारत में ब्रिटिश राज का विरोध करने वाले सबसे कम उम्र के क्रांतिकारी थे। 15 वर्ष की उम्र में ही इनको ब्रिटिश राज के खिलाफ पर्चे बांटने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मुजफ्फरपुर षड्यंत्र मामले में शामिल होने के कारण 18 साल की आयु में 11 अगस्त 1908 को उनको फांसी दी गई।

गन्नौर विस में 14 को तिरंगा यात्रा का आयोजन

गन्नौर। भाजपा गन्नौर विधानसभा द्वारा 14 अगस्त वीरवार को देश के अमर शहीदों की शहादत को नमन करते एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। भाजपा के जिला सहसंयोजक एवं पूर्व पार्षद विकास त्यागी ने बताया कि कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और बलिदान की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। यात्रा का शुभारंभ सुबह 9 बजे गन्नौर रेलवे स्टेशन से होगा। यात्रा रेलवे रोड होते हुए गन्नौर मुख्य बाजार, देवीलाल चौक से गुजरते हुए गन्नौर नई अनाज मंडी में जाकर संपन्न होगी। पूरे मार्ग में तिरंगों की शोभायात्रा, देशभक्ति गीत और नारे माहौल को राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत करेंगे। यात्रा में जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, तिरंगा यात्रा जिला संयोजक मोनिका दहिया, पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र कौशिक, जिला सहसंयोजक योगेश कौशिक मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। नगरपालिका गन्नौर के अध्यक्ष अरुण त्यागी कार्यक्रम के संयोजक होंगे। सहसंयोजकों में भूषण हसीजा, नरेंद्र पांचाल ने कार्यकर्ताओं, पार्षदों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों और शहरवासियों से समय पर पहुंचकर यात्रा को सफल बनाने का आह्वान किया है।

विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

सोनीपत। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई सोनीपत द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सोमवार को तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस तिरंगा यात्रा की शुरूआत जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रचना बाना एवं जिला एनएसएस संयोजक पवन के मार्गदर्शन में हुई। यह यात्रा राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माडल टाउन से शुरू होकर ओल्ड डीसी रोड, कच्चे क्वार्टर, सुभाष चौक से होते हुए परशुराम चौक से वापस विद्यालय प्रांगण में संपन्न हुई। इस दौरान स्वयंसेवकों को जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रचना बाना व जिला संयोजक पवन ने भी संबोधित किया। इस मौके पर विद्यालय प्रभारी कृष्ण रोहिल्ला सहित विद्यालय का संपूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा।

48 नागरिकों ने बटोरा रक्तदान का पुण्य

गोहाना। सोमवार को शहर में सोनीपत मार्ग मोड स्थित भगवान परशुराम चौक में आयोजित भागराम ट्रस्ट के साप्ताहिक रक्तदान शिविर में दंपति सहित 48 नागरिकों ने रक्तदान का पुण्य बटोरा। शिविर के मुख्य अतिथि डॉ. संदीप सेतिया थे। अध्यक्षता भागराम ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा गगनेजा ने की। संयोजन स्टार रक्तदाता एवं समाजसेवी संस्था आहुति के संयोजक सुरेंद्र विश्वास का रहा। शिविर के विशेष रक्तदाताओं में दंपत्ति पवन और रेणु, दो सगे भाई रोहित और विनीत, मौसेरे भाई सागर सैनी, लक्ष्य और अतुल, चाचा-भतीजा पवन बामनिया और रवि ने रक्तदान किया। नियमित रक्तदाताओं में पवन कुमार, सत्यवान शर्मा, संजय, धर्मेन्द्र, अमित, राकेश शर्मा, संदीप कुमार, रवि, संदीप, सोनू शर्मा और प्रियांशु चहल ने रक्तदान का पुण्य कमाया।

सोनीपत। दिशा का स्वागत करते एनसीसी ऑफिसर साथ में प्राचार्या।

दिशा ने आर्मी अटैचमेंट कैंप में बढ़ाया मान

सोनीपत। हिन्दू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत की एनसीसी कैडेट कॉर्पोरल दिशा ने गत माह अंबाला कैंट स्थित मिलिट्री हॉस्पिटल में आयोजित आर्मी अटैचमेंट कैंप में प्रतिभागिता कर कॉलेज का नाम रोशन किया। यह प्रशिक्षण शिविर केवल सोनीपत, गोहाना, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, जींद, कैथल, जगाधरी और अंबाला के चुनिंदा कैडेट्स के लिए आयोजित किया गया था। कॉलेज की एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर नीतू नसीयर दूहन ने बताया कि 12 हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित परीक्षा में सफलता के बल पर ही दिशा का चयन इस कैंप के लिए संभव हुआ। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. विपाशा अग्रवाल ने कहा कि दिशा की उपलब्धि न केवल हमारे कॉलेज बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। यह प्रेरणा है कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगन से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। कैंप से वापसी पर कॉलेज परिवार द्वारा दिशा का स्वागत किया गया और उसकी इस उपलब्धि पर उसे सम्मानित किया गया।

समाधान शिविर में एसडीएम ने सुनी जन समस्याएं

खरखौदा। उपमंडल कार्यालय में सोमवार को एसडीएम डॉ. निर्मल नागर की अध्यक्षता में समाधान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें कई लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। एसडीएम ने संबंधित विभागों को समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। थाना कलां गांव के किसान विकास, बिजेंद्र, जीत सिंह, रोहताश, कृपाल और रवींद्र राणा ने बताया कि उन्होंने जमीन देकर 133 केवी पावर हाउस बनवाया था। पावर हाउस व ड्रेन के बीच कई साल पुराना रास्ता है, जो वन विभाग की जमीन पर है। अब बिजली निगम बिना एनओसी लिए इसे बंद कर चारदीवारी बना रहा है। किसानों ने रास्ता खुला रखने की मांग की, ताकि आनंदपुर व थाना कलां के किसानों को खेतों तक पहुंचने में दिक्कत न हो। वहीं, आनंदपुर के वकील रवींद्र दहिया ने आठ नंबर ड्रेन के पास पानी निकासी का खाल न होने से खेतों में जलभराव की समस्या बताई। इस पर एसडीएम ने सिंचाई विभाग से जांच के आदेश दिए।

बैठक के दौरान उपस्थित जैन मुनि गुप्ती सागर महाराज।

तीर्थ रक्षा सम्मेलन संपन्न

सोनीपत। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 7 की क्षेत्रीय कार्यकारिणी की प्रथम बैठक एवं तीर्थ रक्षा सम्मेलन रविवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष सुरेश जैन, क्षेत्र प्रभारी मनोज जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष जयकुमार जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेश जैन, विनोद कुमार जैन, महंत टोनी जैन, क्षेत्रीय मंत्री पीयूष जैन सहित अनेक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। विशिष्ट आतिथ्य शाकाहार प्रवर्तक उपाध्याय गुप्ती सागर महाराज एवं महासाध्वी संयम प्रभा कमल के सानिध्य में बैठक आयोजित हुई। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान चिंतामणि पारसनाथ स्वामी की वंदना, आचार्य विद्यासागर महाराज के चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन और महावीर वंदना के साथ हुई। विभिन्न शाखाओं चंडीगढ़, अंबाला छावनी, सोनीपत, गन्नौर, गोहाना, रिवाड़ी आदि के अध्यक्ष-मंत्री ने त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट और आगामी कार्यक्रम प्रस्तुत किए। 250 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें अंबाला छावनी से 51 सदस्य विशेष रूप से पहुंचे।

गोहाना। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते अतिथि एवं आयोजक।

सोनीपत। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते कॉलेज स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

कौशल कर्मियों को रोजगार गारंटी की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र को लागू करवाने के लिए निकाली गई रथ यात्रा सोमवार को गन्नौर पहुंची। शहर में पंपलेट बांटकर नागरिकों को सरकार की 24 घोषणाओं को लागू करवाने व प्रदेश सरकार द्वारा कौशल रोजगार में लगे सभी कर्मचारियों को कौशल रोजगार गारंटी में शामिल की मांग की। जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपये देने, हरियाणा कौशल निगम में लगे कर्मचारियों को पक्का करने, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, 500 का सिलेंडर देने, अग्निवीरों को सरकारी नौकरी समेत 24 वायदे किए थे, लेकिन 9 महीने बीतने के बाद भी एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कच्चे कर्मचारियों को हटा रही है। प्रदेश सरकार जिन कर्मचारियों को लगे हुए 7 साल से अधिक हो गए है। उनकी एंजेसी को शामिल न करनके 7 साल से अधिक समय से कार्यरत कर्मचारियों को भी गारंटी योजना में शामिल नहीं किया जा रहा, जबकि कई की नौकरी की आयु पूरी हो चुकी है। बड़वासनिया ने कहा कि रथ यात्रा सोनीपत से चंडीगढ़ तक जाएगी और सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर करेगी। इस मौके पर जिला पार्षद रवि इंदौर, कर्मचारी रिटायर्ड यूनियन के अध्यक्ष महावीर मलिक, तुराज, जिला पार्षद प्रतिनिधि यशपाल मलिक, जयसिंह ठेकेदार, राजवीर राठी, महेंद्र राठी, सुरेश मौजूद रहे।

गन्नौर। रथ यात्रा के दौरान नारेबाजी करते कांग्रेस नेता संजय व अन्य कार्यकर्ता।

खरखौदा। विजेता विद्यार्थी शिक्षको के साथ। फोटो :हरिभूमि

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

सोनीपत। हिंदू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सोनीपत की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के तत्वावधान में तकनीकी नवाचार को व्यावसायिक सफलता में बदलना विषय पर प्रेरणादायक संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. (डा.) विजयाल जैन के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने भारतीय इंजीनियरिंग विद्यार्थियों की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि इन क्षमताओं का सही दिशा में उपयोग किया जाए, तो भारत वैश्विक तकनीकी नेतृत्व प्राप्त कर सकता है। संगोष्ठी के समन्वयक प्रो. नवीन कुमार मलिक ने कृत्रिम बुद्धि की व्यावसायिक जगत में बढ़ती भूमिका पर जानकारी दी। इस अवसर पर नवाचार तकनीक विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका संचालन नीलम सरोहा, पुनित शर्मा और विकास सरोहा की देखरेख में हुआ। निर्णायक मंडल में राकेश वर्मा, भावना मित्तल और बिंदिया छाबड़ा शामिल रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान चयनविता एवं श्रेया गोयल ने प्राप्त किया। डायरेक्टर-प्रिंसिपल प्रो. (डा.) डीपी सिंह ने संगोष्ठी के सफल आयोजन पर स्टाफ को बधाई दी।

विज्ञान संगोष्ठी का किया आयोजन

खरखौदा। राजकीय मॉडल संस्कृति वमावि थाना कलां में खंड स्तरीय राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन प्रधानाचार्य बबीता के मार्गदर्शन में किया गया। इस संगोष्ठी में सीबीएसई एवं एचबीएसई से मान्यता प्राप्त राजकीय व अराजकीय विद्यालयों की 8 वीं से 10 वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को अपनी वैज्ञानिक समझ और विचार प्रस्तुत करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया। इस वर्ष का विषय था- क्वांटम युग का आगाज, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ। कार्यक्रम में प्रत्येक प्रतिभागी को लगभग 6 मिनट का समय प्रस्तुति हेतु तथा 2 मिनट प्रश्नोत्तर के लिए दिया गया। विद्यार्थियों ने हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में अपने विचार प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल की भूमिका डायट बीसवाँमील से सुशील कुमार शर्मा, पीएम श्री जी.एस.एस.एस. खरखौदा से नीतू व जी.एम.एस.एस.एस. मटिण्डू से प्रीति ने निभाई। प्रतियोगिता में मनोदेव इंटरनेशनल स्कूल पिपली की छात्रा जिया ने प्रथम, प्रताप सिंह मेमोरियल स्कूल से हंसिका ने द्वितीय तथा पीएम श्री जी.एस.एस.एस. खरखौदा से आदित्य गिरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बच्चों के बैठने के लिए दरी की व्यवस्था नहीं, तीन घंटे बाद मिला पानी

रिहर्सल के पहले दिन अनाज मंडी में अव्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के तहत सोमवार को नई अनाज मंडी में पहले दिन की रिहर्सल हुई। प्राचार्य सुरजीत सिंह खोखर, प्राचार्य अनिल शर्मा, डीपी देवेंद्र डीपी, डीपी ईश्वर सिंह और 'योत्स्ना की देखरेख में आयोजित रिहर्सल में 7 स्कूलों ने परेड, 5 स्कूलों ने डबल पीटी और 6 स्कूलों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। रिहर्सल के पहले दिन नई अनाज मंडी में अव्यवस्था स्पष्ट नजर आई। बच्चों के बैठने के लिए दरे तक की व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई छात्र काफी देर तक खड़े रहे। साफ-सफाई का भी अभाव था, जगह-जगह कचरा और धूल फैली थी। प्राचार्य सुरजीत सिंह खोखर ने शेड के नीचे साफ सफाई की व्यवस्था करवाई और जिम्मदारी विभाग के अधिकारियों को बोलकर दरे मंगवाए। जिसके बाद बच्चों ने रिहर्सल की। -पानी भी तीन घंटे बाद मिलाः रिहर्सल के पहले दिन पेयजल तक उपलब्ध नहीं था। बच्चों को काफी देर तक प्यासा बैठे रहना पड़ा। वहीं रिफ्रेशमेंट भी समय पर नहीं पहुंची। वहीं, एसडीएम के संज्ञान में मामला आने के बाद करीब 12 बजे पानी व रिफ्रेशमेंट भिजवाए गए। निजी स्कूल के शिक्षकों ने कहा कि रिहर्सल में इस तरह की लापरवाही से बच्चों की परेशानी बढ़ती है और कार्यक्रम की गरिमा प्रभावित होती है। उन्होंने मांग की कि मुख्य समारोह से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएं, ताकि स्वतंत्रता दिवस पर कोई अव्यवस्था न हो।

गन्नौर। स्वतंत्रता दिवस समारोह की रिहर्सल करते स्कूली छात्र। फोटो :हरिभूमि

रंगारंग कार्यक्रमों का पूर्वाभ्यास

सोनीपत। जिला पुलिस लाईन ग्राउंड में सोमवार को जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य रूप देने के लिए परेड व पीटी रिहर्सल का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एसएम हिन्दू स्कूल में रिहर्सल आयोजित की जा रही है। रिहर्सल में सभी विभागों एवं प्रतिभागी संस्थाओं ने अनुशासन, ऊर्जा और उत्कृष्ट तालमेल का प्रदर्शन करते आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। परेड रिहर्सल में हरियाणा पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी (सीनियर एवं जूनियर विंग), भारत स्काउट्स एवं गाइड्स (सीनियर एवं जूनियर), स्काउट्स एवं गाइड्स की छात्राएं तथा 'प्रजातंत्र के प्रहरी' के जवानों ने शिरकत की। सभी प्रतिभागियों ने मार्च पास्ट, परेड गठन और अन्य औपचारिकताओं का बारीकी से अभ्यास कर यह सुनिश्चित किया कि मुख्य दिवस पर समारोह का संचालन पूर्ण गरिमा और सटीकता के साथ हो। इस दौरान विभिन्न स्कूलों ने पीटी कार्यक्रम की भी रिहर्सल की। इसके अलावा एसएम हिन्दू स्कूल में रिहर्सल के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक गीतों एवं देशभक्ति पर आधारित रंगारंग कार्यक्रमों का पूर्वाभ्यास भी किया गया।

सोनीपत। गांव के हालात दिखाते आप नेता देवेंद्र गौतम। फोटो :हरिभूमि

गांव रायपुर में बदहाल हुए हालात

सोनीपत। वार्ड 7 के गांव रायपुर में बदहाल हालात को लेकर आप हरियाणा के सोनीपत लोकसभा क्षेत्र अध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र गौतम ने नगर निगम और पार्षद पर गंभीर आरोप लगाए। गौतम ने कहा कि सेक्टर-7 की ओर जाने वाला मुख्य रास्ता टूटा पड़ा है, नाले अधूरे हैं और सफाई व्यवस्था बदहाल है। कई बार सूचित करने के बावजूद मरम्मत नहीं करवाई। स्कूल बसों व राहगीरों को भारी दिक्कत हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 4 इंजन की बीजेपी सरकार (पार्षद, विधायक, मेयर, मुख्यमंत्री) के बावजूद रायपुर की हालत बिगड़ती जा रही है। चारों ओर कूड़ा फैला है, जोहड़ की सफाई महीनों से नहीं हुई और नाले निम्न गुणवत्ता से बनाए जा रहे हैं। गौतम ने ठेकेदार को अधूरे काम की पेमेंट पर सवाल उठाया। साथ ही, उन्होंने पार्षद पर अवैध कब्जों को बढ़ावा देने का आरोप लगाते कहा कि शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। मांग की कि नगर निगम आयुक्त कब्जों व कार्यों की जांच करें और जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो।

खबर संक्षेप

सोनीपत। बैठक के दौरान मौजूद स्वास्थ्य कर्मी व अन्य।

26 से शुरू होगा राष्ट्रीय कृमि निवारण कार्यक्रम

सोनीपत। जिला उपायुक्त कार्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीटीएम डा. अनमोल द्वारा की गई। बैठक में उप सिविल सर्जन (आरबीएसके) डा. स्वराज चौधरी ने बताया कि जिले में 26 अगस्त 2025 से राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा। इस दिन 1 से 19 वर्ष के लगभग 5 लाख 71 हजार बच्चों और 20 से 24 वर्ष की करीब 39 हजार प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी।

तेज रफ्तार वाहन ने युवक को चपेट में लिया, मौत

सोनीपत। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर राई थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने युवक को चपेट में ले लिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक चालक की मौत

गन्नौर। ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी, सोनीपत से अपने घर लौट रहे बाइक सवार की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा सोमवार सुबह करीब 10 बजे लड़सौली गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

स्टेट जूनियर बास्केटबाल प्रतियोगिता में मारी बाजी

सोनीपत। रतनगढ़ माजरा स्थित सर छोटू राम स्कूल के खिलाड़ियों ने 57वीं हरियाणा स्टेट जूनियर बास्केटबाल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके अपने विद्यालय तथा अपने जिले का नाम रोशन किया। बास्केटबाल कोच रीतु ने बताया कि यह प्रतियोगिता 8 अगस्त से 10 अगस्त तक पानीपत में ऋषिकुल सीनियर सैकेंडरी स्कूल अहर में आयोजित की गई।

ब्राइट स्कॉलर के विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

सोनीपत। कॉडर ऑर्गस संस्था के द्वारा ब्राइट स्कॉलर विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताह में दो बार, विद्यालय के बाद शाम के समय ऑनलाइन आयोजित होने वाली कक्षाओं में विद्यार्थियों को सिखाया जाता हैं। कार्यक्रम की इसी श्रृंखला के अंतर्गत विद्यार्थियों के प्रदर्शन और उपस्थिति के आधार पर पुरस्कार भी दिए गए।

एसकेएस ने बैठक के बाद 14 व 15 अगस्त तक का दिया अल्टीमेटम

लिखित गारंटी नहीं मिली तो सोनीपत व पंचकूला में सीवर-पानी सप्लाई होगी ठप

हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच के बैनर तले कर्मचारियों ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच के बैनर तले हरियाणा कौशल रोजगार निगम कर्मचारी मंच, हुड्डा जन स्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन व अन्य सहयोगी यूनियनों ने एचएसवीपी कार्यालय, सेक्टर-15 सोनीपत पर दोपहर 12 से 2 बजे तक धरना व रोष प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हरियाणा सरकार, एचएसवीपी अधिकारियों व कौशल अधिकारियों के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। नेतृत्व महावीर नागर व टीनू मदान (राज्य प्रधान एवं महासचिव, हरियाणा कौशल रोजगार निगम मंच) ने किया, जबकि संचालन हुड्डा यूनियन जिला सचिव समेश कुमार व राज्य उपप्रधान सुरेश रोहिला ने किया। मुख्य वक्ता हुड्डा यूनियन प्रदेशाध्यक्ष आरके नागर ने आरोप लगाया कि एचएसवीपी, कौशल रोजगार निगम व एचआरडी अधिकारी कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी कर रहे हैं। मई से बार-बार मांग व नोटिस देने के बावजूद कर्मचारियों की अप्रूवल जारी नहीं की गई, जिससे वेतन में महीनों की देरी हो रही है। उन्होंने 58 साल सेवा सुरक्षा की ज्वाइनिंग तुरंत कराने की मांग की। साथ ही एचएसवीपी में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी व हरे पेड़ काटकर बेचने के मामलों में मिलीभगत का आरोप लगाया।

नागर ने चेतावनी दी कि अगर 14-15 अगस्त से पहले लिखित गारंटी नहीं दी गई तो इन तिथियों को सोनीपत व पंचकूला में वाटर सप्लाई व सीवर सेवाएं ठप कर हड़ताल की जाएगी।

सोनीपत। विरोध प्रदर्शन करते हुए यूनियन के पदाधिकारी एवं कर्मचारी।

ये रहे मौजूद

धरने को ओम कुमार जांबाज (प्रधान, एटक यूनियन), यशवंत राव चौहान (राज्य प्रधान, समता सैनिक दल हरियाणा), सावित्री देवी (प्रधान, ऑल इंडिया कम्युनिस्ट महिला विंग) सहित मीना सैनी, ध्रुव कुमार, सुरेंद्र सिंह रंगा, सुनील चौहान, सतीश शर्मा, महेंद्र शर्मा, विजेंद्र रिवाल, जोगेंद्र सिंह, पुष्पेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश, अरुण कुमार, अश्विनी शर्मा, शमशेर, राहुल, राकेश, जगबीर, योग प्रकाश नागर, सुरेंद्र, जगदीश, संजीव कुमार, योगेश शर्मा, कृष्ण, सोहनलाल, बंसीलाल, सुनील, बलजीत, शुभम, कुलदीप आदि ने समर्थन दिया।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन ने लगाया शोषण का आरोप

खरखौदा। अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते सफाई कर्मचारी।

खरखौदा। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन द्वारा ब्लॉक स्तर की बैठक परशुराम पार्क में की गई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन प्रधान रोहतास चंडालिया तथा मंच संचालन यूनियन सचिव चांद ने किया। बैठक में सफाई कर्मचारियों के जिला संयोजक राजेश रसोई, जिला संयोजक तथा सीटू के जिला सचिव राजेश टॉकी, सीटू जिला सह सचिव पूनम व सीटू की जिला उप प्रधान सुनीता, प्रदेश कोषाध्यक्ष संदीप मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सफाई कर्मचारियों ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि दलित हितैषी होने का नाटक करने वाली सरकार असल में सफाई कर्मियों का शोषण करने वाली पार्टी बन चुकी है। 18 वर्षों से गांव की गंदगी साफ करने वाले ग्रामीण सफाई कर्मी पक्के रोजगार, समान काम समान वेतन, समय पर वेतन भुगतान, काम के औजारों की मांग, सुरक्षा उपकरण की मांग करते आ रहे हैं। लेकिन सरकार इनकी कोई भी सुनवाई नहीं कर रही हैं। जबकि इस बार जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी ने इस बार 5 अगस्त को पत्र जारी किया था कि ग्रामीण सफाई कर्मियों का वेतन रक्षाबंधन से पहले भुगतान किया जाए। लेकिन उनकी भी कोई सुनवाई नहीं की गई। सफाई कर्मियों के जिला संयोजक तथा जिला सचिव राजेश टोकी ने बताया कि वर्ष 2014 में भाजपा ने वायदा किया था कि सफाई कर्मचारियों को पक्का करने तथा उनका वेतन 15000 रुपए किया जाएगा । यह घोषणा सिर्फ घोषणा ही बनकर रह गई है। मुख्यमंत्री द्वारा 24 नवंबर को 26000 रुपए की घोषणा की थी। 9 महीने बीत जाने के बाद कोई पत्र जारी नहीं किया गया। इस शोषण को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पदोन्नति बहाल कर ब्याज सहित देना होगा बकाया वेतन

हाईकोर्ट ने मुरथल विवि को दिए निर्देश

- 50-50 हजार रुपये मुकदमा व्यय भी देना होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने परवीन कुमार व अन्य बनाम दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल मामले में विश्वविद्यालय की कार्रवाई को मनमाना और भेदभावपूर्ण करार देते हुए सख्त निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ताओं को 27 अगस्त 2021 से सहायक पद पर पदोन्नत माना जाए, 25 जनवरी 2022 से वास्तविक वेतन लाभ दिए जाएं तथा बकाया राशि 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित चार सप्ताह के भीतर अदा की जाए। साथ ही प्रत्येक याचिकाकर्ता को 50-50 हजार रुपये मुकदमा व्यय के रूप में दिए जाएं। याचिकाकर्ता अनुसूचित जाति वर्ग से हैं और वर्ष 2015 में क्लर्क-कम-डेटा एंट्री ऑपरेटर पद पर पदोन्नत हुए थे। उन्होंने विश्वविद्यालय की कंप्यूटर टेस्ट परीक्षा पास कर वार्षिक वेतन वृद्धि भी प्राप्त की थी। वर्ष 2018 में राज्य सरकार ने स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट इन कम्प्यूटर एप्रिसिएशन एंड एप्लीकेशन्स (एसईटीसी) अनिवार्य किया, जिसे विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने 5 मार्च 2019 को अपनाया। परिषद ने यह स्पष्ट छूट भी दी थी कि जो कर्मचारी पहले ही विश्वविद्यालय का कंप्यूटर टेस्ट पास कर वार्षिक वेतन वृद्धि पा चुके हैं, उन्हें एसईटीसी से मुक्त रखा जाएगा।

नप गोहाना में बनवाएगी पांच नए शौचालय

गोहाना। नगर परिषद (नप) ने शहर में स्वच्छ गोहाना की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया। नगर परिषद द्वारा शहर में पांच सार्वजनिक शौचालय बनाए जाएंगे, जिन पर 50 लाख रुपये खर्च होंगे। सोमवार को नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने पुरानी सब्जी मंडी के निकट तैयार हुए शौचालय का उद्घाटन किया। चेयरपर्सन विरमानी ने कहा कि शहर की स्वच्छता और नागरिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त जगहों पर सार्वजनिक शौचालय बनाए जाएंगे। शौचालयों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नप द्वारा नगर परिषद कार्यालय के निकट और पुरानी अनाज मंडी के पास भी ऐसे ही शौचालय बनाए जाएंगे। पांचों शौचालयों पर लगभग 50 लाख रुपये की लागत आएगी। इस मौके पर नप की उपाध्यक्ष राजबाला मलिक, नगर पार्षद राम सिंह सैनी, सुनील राजपाल, संजय सैनी, जतीश कपूर, सुनील, रमेश परुथी, नरेंद्र, निपुण सहरावत, विनोद राजौरा, नीरज मेहता, सुमित, अंकित व राकेश मौजूद रहे।

गोहाना। नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी शौचालय का उद्घाटन करते हुए।

डा. तराना ने राजकीय कन्या कॉलेज की प्राचार्या का पदभार संभाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

कन्या महाविद्यालय खरखौदा को प्रदेश सरकार ने सरकारी कॉलेज का दर्जा दिया है। सोमवार को शहीद दलबीर सिंह महाविद्यालय पिपली की प्रिंसीपल एवं जिला एचओडी प्रोफेसर डा. तराना नेगी ने प्रिंसीपल के रूप में चार्ज संभाल लिया है। इस मौके पर प्रबंधन समिति के प्रधान वेद प्रकाश दहिया, कॉलेज प्रिंसीपल डा. प्रोमिला, उप प्रधान सतबीर दहिया, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गन्नौत्रा, डा. किरण सरोहा, डा. योगेंद्र रांगी, डा. जगबीर दहिया, डा. मंदीप, बलराम सहित अन्य पिपली स्टाफ की टीम भी उपस्थित रही। इस मौके पर प्रिंसीपल डा. तराना नेगी ने कहा कि अब यहां पर सभी कार्य सरकारी महाविद्यालय की तर्ज पर होंगे। उन्होंने बारिकी से निरीक्षण के बाद ही चार्ज लिया है। उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों से भी मुलाकात की और अपील की है कि वे बेहद ही अच्छा कॉलेज चला रहे थे, भविष्य में और अच्छा करने के लिए उनके सहयोग की हमेशा आवश्यकता रहेगी। उन्होंने कहा कि कॉलेज में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। प्रोफेसर डॉ. तराना नेगी जूलॉजी विषय की प्रोफेसर हैं। सोनीपत जिले के सभी सरकारी महाविद्यालय इनके अधीन हैं। मौजूदा हाल में उनके पास प्रिंसिपल के रूप में जखोली राजकीय महाविद्यालय, शहीद दलबीर सिंह पिपली महाविद्यालय व राजकीय कन्या महाविद्यालय खरखौदा का चार्ज है।

पिता ने नाबालिग बेटी को बनाया हवस का शिकार

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र में रिश्तों को तार-तार करने का मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी को हवस का शिकार बना लिया। किसी से कुछ बताने पर जान से मारने की धमकी दी। लड़की की मां ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। कुंडली थाना क्षेत्र में रहने वाली मूलरूप से बिहार की रहने वाली महिला ने पुलिस को शिकायत दी है कि वह परिवार के साथ किराए पर रहती है। वह कंपनी में काम करती हैं। घर पर उनका पति व 15 वर्षीय बेटी थी। जब वह कंपनी से घर आई तो बेटी ने रोते हुए बताया कि पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। मां को बताने पर जान से मारने की धमकी दी गई। आरोप है कि वह पहले भी गलत काम कर चुका है। महिला ने इसकी शिकायत कुंडली थाना पुलिस को दी।

अंडर-17 आयु वर्ग में जेकेआर स्कूल अव्वल

- खंड स्तरीय खेलों में जेकेआर पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना-महम मार्ग पर शहर में गुढ़ा चुंगी के समीप स्थित जेकेआर पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने शैक्षणिक खंड गोहाना की खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 8 पदक झटक लिए। पदक विजेता खिलाड़ियों को सोमवार को स्कूल में एमडी राजबीर राठी द्वारा समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया। खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं करवाने के लिए क्षेत्र में कई स्थान चुने गए। 800 मीटर व 400 मीटर दौड़ में जेकेआर स्कूल की छात्रा रिद्धि ने प्रथम और सिमरन ने तृतीय स्थान हासिल किया। खो-खो प्रतियोगिता में स्कूल के दो खिलाड़ियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। यह टीम जिलास्तर के लिए चुनी गई। कक्षा छठी के छात्र आरव ने अंडर-14 मुक्केबाजी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 खो-खो प्रतियोगिता में स्कूल की टीम प्रथम रही। इस टीम का चयन जिलास्तर के लिए कर लिया गया। कुश्ती प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर कक्षा 10वीं के छात्र जिलास्तर के लिए चुने गए। अंडर-17 आयु वर्ग में स्कूल की क्रिकेट टीम प्रथम रही जिसका चयन जिलास्तर के लिए कर लिया गया। खिलाड़ियों को प्राचार्या नीति आर्या और शारीरिक शिक्षा अध्यापिका रेखा पांचाल ने अपना आशीर्वाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

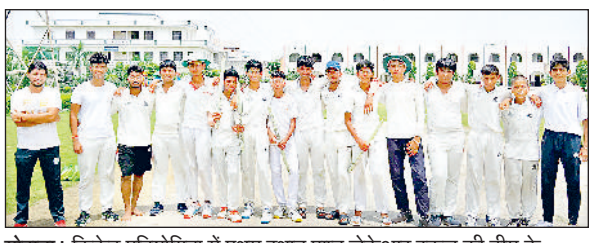

गोहाना। क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त जेकेआर स्कूल की टीम के खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

अलग-अलग स्थानों से किशोरी और किशोर लापता, मुकदमा दर्ज

सोनीपत। सदर थाना व राई थाना क्षेत्र से संदिग्ध हालत में लापता होने के आरोप का मामला सामने आया है। परिजनों ने मामले को लेकर संबंधित थाना पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। राई थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी 15 वर्षीय बेटी संदिग्ध हालत में लापता हो गई। अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया।पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं सदर थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसका 14 वर्षीय बेटा संदिग्ध हालत में लापता हो गया। आसपास उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस किशोर की तलाश कर रही है।

मादक पदार्थ तस्करी में आरोपी गिरफ्तार, रिमांड पर भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मुरथल थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के पुराने मामले में फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया। आरोपित की पहचान हरदीप उर्फ दीपा पुत्र महेंद्र निवासी जिला पटियाला, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, 6 जुलाई 2024 को गश्त के दौरान मुरथल फ्लाईओवर के पास सर्विस रोड पर संदिग्ध हालत में खड़ी एक कार से 50 किलो 980 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ था। कार का पिछला बायां टायर फटा हुआ था और पिछली सीट पर काले कपड़े के नीचे प्लास्टिक के पांच कट्टे मिले थे, जिनमें मादक पदार्थ भरा हुआ था। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना मुरथल में मुकदमा दर्ज किया गया था। थाना मुरथल की जांच टीम ने लगातार प्रयास करते हुए घटना में संलिप्त आरोपित हरदीप को पंजाब से गिरफ्तार किया। आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सोनीपत। गिरफ्तार आरोपित पुलिसकर्मी के साथ।

निर्माण के 6 महीने में ही उखड़ी नालियां

- बसंत विहार एक्सटेंशन में लापरवाही उजागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

बसंत विहार एक्सटेंशन कालोनी में महज छह महीने पहले बनाई गई नालियां पहली ही बरसात में उखड़ने लगी हैं। करीब डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से हुए इस निर्माण कार्य की पोल 2 दिन पहले हुई बारिश ने खोल दी। कालोनीवासियों का कहना है कि निर्माण के समय घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया और नालियों का लेवल भी सही नहीं रखा गया, जिससे पानी की निकासी बाधित है। कई जगहों पर तो नालियों को नालों से नहीं जोड़ा गया, जिससे पानी निकासी बाधित हो रही है। बारिश का पानी गलियों में भरकर दुर्गंध फैला रहा है। स्थानीय निवासियों ने नगरपालिका और ठेकेदार पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

गन्नौर। बसंत विहार एक्सटेंशन कालोनी में उखड़ी नालियां।

ठेकेदार को दिया नोटिस

नपा सचिव प्रदीप खर्ब ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब संतोषजनक न होने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उनका कहना है कि इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद काम की गुणवत्ता बेहद खराब रही। कालोनीवासियों ने मांग की है कि बरसात से पहले सभी गलियों और नालियों की मरम्मत की जाए, ताकि आने वाले समय में जलभराव और गंदगी से निजात मिल सके।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान अपनी प्रस्तुति देते हुए जितेंद्र वशिष्ठ साथ में अन्य।

32 कवियों-शायरों ने प्रस्तुत की अपनी रचनाएं

सोनीपत। कस्तूरी फाउंडेशन की ओर से जींटी रोड स्थित एक ढाबे पर स्वाधीनता उत्सव के उपलक्ष में एक कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आए नामचीन कवि एवं शायरों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता रघुवर दयाल गौड़ मुख्य अतिथि व अशोक शर्मा अधिवक्ता अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. सुभाष खटकड़ और डॉ. मंजुला स्पाह शामिल रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अशोक भाटिया एवं डॉ. सोनिया अक्स ने की, जबकि मंच संचालन का जिम्मा सुभाष वशिष्ठ ने बखूबी निभाया। आयोजन के संयोजक कस्तूरी फाउंडेशन के संस्थापक जितेंद्र वशिष्ठ रहे। इस दौरान कुल 32 कवि एवं शायरों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से देशभक्ति, सामाजिक सरोकार और जीवन के विविध पहलुओं को अभिव्यक्त किया। अध्यक्ष डॉ. अशोक भाटिया ने अपने गहन और सारगर्भित उद्बोधन में साहित्य की भूमिका और कवि सम्मेलनों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आनंद कौशिक, आशीष, जितेंद्र शर्मा, शकील जठेड़ी, सीमा वत्स, जगदीश पांचाल, रामधारी खटकड़, जगमाल सिंह, सलीम जावेद, हसमत भारद्वाज, ओम प्रकाश चौहान, रमेश विकास, नरेश लाभ, सिराज, सोनिया और अशोक भाटिया सहित अनेक कवियों ने अपनी प्रस्तुतियों से माहौल को भावनाओं और साहित्य की सुगंध से भर दिया।

गन्नौर। सरपंच एसोसिएशन के नवनियुक्त प्रधान मेहरसिंह, महासचिव सरपंच सावन कुमार व अन्य।

सरपंच एसोसिएशन के बने प्रधान मेहर सिंह और महासचिव बने सावन कुमार

गन्नौर। सरपंच एसोसिएशन की सोमवार को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में सरपंच एसोसिएशन का सर्वसम्मति से चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें बजाना के सरपंच मेहर सिंह को एसोसिएशन का प्रधान व भोगीपूर पांव के सरंपच सावन कुमार को महासचिव बनाया गया। उपप्रधान मंजीत सरपंच को बनाया गया। एसोसिएशन के नवनियुक्त प्रधान मेहरसिंह कादियान ने कहा कि सरपंचों ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसका वे ईमानदारी से निवर्हन करते हुए सरपंचों के हको की लड़ाई लड़ेंगे। पंचायतों का विकास करवाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इस मौके पर सरपंच व सरपंच प्रतिनिधि, बहादुर, मेहरसिंह, नीरज, प्रदीप, प्रोमिला, सपना राठी, राजबीर, अनिल, पूनम देवी, प्रोमिला, दिलबाग, संगीता आदि मौजूद थे।

कार्रवाई मुख्यमंत्री उड़ान दस्ते और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की छापेमारी

डिपो से आठ क्विंटल से अधिक अतिरिक्त गेहूं बरामद

सोनीपत। छापेमारी के दौरान जांच करते हुए।

- आरोपित के खिलाफ पुलिस को दी जायेगी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मुख्यमंत्री उड़ान दस्ते और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने शहर के सिटी प्लाजा स्थित एक राशन डिपो पर छापेमारी कर आठ क्विंटल से ज्यादा अतिरिक्त गेहूं बरामद किया। डिपो होल्डर की पहचान अशोक चावला के रूप में हुई है, जिसके खिलाफ पहले भी राशन में हेराफेरी का मामला सिविल लाइन थाना में दर्ज है। टीमें देर शाम पर कागजी कार्यवाही में जुटी रही। जानकारी मिली है कि आरोपित के खिलाफ संबंधित थाने में शिकायत दर्ज करवाई जाएगी।

मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को टीम को सूचना मिली कि सिटी प्लाजा स्थित सरकारी राशन डिपो पर निर्धारित स्टॉक से अधिक गेहूं रखा गया है और वितरण में गड़बड़ी की जा रही है। सूचना के आधार पर संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और डिपो की तलाशी ली। जांच के दौरान वहां से आठ क्विंटल से अधिक अतिरिक्त गेहूं बरामद हुआ, जिसका कोई संतोषजनक हिसाब या रिकॉर्ड डिपो होल्डर प्रस्तुत नहीं कर सका। अधिकारियों ने बताया कि बरामद गेहूं सरकारी राशन का है, जिसे हेराफेरी कर निजी लाभ के लिए जमा किया गया था। मौके से बरामद गेहूं को जब्त कर लिया गया है और पूरे स्टॉक व रजिस्टर की जांच की जा रही है।

रिकॉर्ड खंगालना किया शुरू

टीम ने डिपो के सभी दस्तावेज कब्जे में लेकर रिकॉर्ड खंगालना शुरू कर दिया है। जानकारी मिली है कि डिपो होल्डर अशोक चावला के खिलाफ पहले भी इसी तरह की हेराफेरी का मामला दर्ज है, जिससे उसकी कार्यप्रणाली पर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी और आरोपित के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।